हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 3 अगस्त 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर जिला स्तरीय विचार गोष्ठी का आयोजन

मण्डला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार, दिनांक 03 अगस्त 2025, रविवार को प्रातः 10:30 बजे जिला भाजपा कार्यालय मंडला में वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रभारी नीरज मरकाम ने बताया कि वन नेशन वन इलेक्शन इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मंडला लोकसभा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते तथा भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहकर इस गंभीर एवं समकालीन विषय पर विशेष संबोधन और मार्गदर्शन देंगे। इस अवसर पर जिले के सभी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक, व्यापारी बंधु, शिक्षाविद्, अधिवक्ता वर्ग आमंत्रित किए गए हैं, ताकि विषय पर समग्र दृष्टिकोण से संवाद स्थापित किया जा सके। भाजपा ने जिले के समस्त जिम्मेदार नागरिकों से अपील की है कि वे इस बैठक में समय पर पहुँच कर "वन नेशन, वन इलेक्शन" जैसे दूरदर्शी विषय पर चर्चा में भाग लें और अपने विचार साझा करें।

विशाल निरंकारी संत समागम का आयोजन 4 अगस्त को

मण्डला। जिसकी भक्ति उसकी पूजा उसका ज्ञान जरूरी है, कहे हरदेव कि पहले ईश्वर की पहचान जरूरी है। सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की असीम कृपा से 4 अगस्त सोमवार को मंडला में विशाल निरंकारी संत समागम का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में दिल्ली से आ रहे परम आदरणीय निरंकारी राजपिता रमित जी के सानिध्य में विशाल निरंकारी संत समागम का आयोजन किया जा रहा है, समागम का आयोजन डिंडोरी रोड बिनैका तिराहे के समीप बंधन मैरिज लॉन मंडला में सुबह 11:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित है। इस विशाल आध्यात्मिक उत्सव में जबलपुर, नैनपुर, छिंदवाड़ा, बम्हनी, सिवनी आदि स्थानों से हजारों की संख्या में भक्तजन अपनी उपस्थिति देंगे। संत निरंकारी मंडल शाखा मंडला ने नगर वासियों, प्रभु प्रेमियों को इस आध्यात्मिक संत समागम में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

बिछिया विधायक की दिखावी चिंता पर लगाये आरोप

269 जर्जर भवनों में हो रही पढ़ाई

*** 10 वर्ष से ज्यादा के कार्यकाल में आखिर विधायक ने क्या किया।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के जर्जर शाला भवनों को लेकर जहां शिक्षा विभाग सवालों के घेरे में है तो वहीं सियासत दान अपनी सियासत चमकाने में लगे हुये हैं बिछिया विधायक ने इस ओर गंभीरता दिखाते हुये जहां विधानसभा में प्रश्न उठाया तो वहीं बिछिया के भाजपा नेता ने बिछिया विधायक पर ही प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिये कि उनकी विधानसभा में ये जर्जर शाला भवन कोई एक दिन में तो हुये नहीं वर्षो पट्टा जी विधायकी किये तो उस समय इन भवनों को बेहतर बनाने प्रयास क्यों नहीं किये।

बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने हाल ही में विधानसभा सत्र के दौरान मंडला जिले की जर्जर शिक्षा व्यवस्था पर गहरी चिंता जाहिर की। उन्होंने सदन में बताया कि जिले के 1973 स्कूलों में से 580 स्कूल जर्जर हालत में हैं, जिनमें 70 से अधिक अति जर्जर हैं और छात्रों के लिए खतरा बने हुए हैं लेकिन आंकड़े खुद उनके अपने विधानसभा क्षेत्र बिछिया की गंभीर स्थिति को भी उजागर कर रहे हैं। बिछिया क्षेत्र में ही 269 स्कूल ऐसे भवनों में संचालित हो रहे हैं जो जर्जर हैं, और उनमें से कई की हालत इतनी खराब है कि मरम्मत भी संभव नहीं है, केवल पुनर्निर्माण ही एकमात्र विकल्प है।

इसी मुद्दे पर भाजपा नेता डॉ. विजय आनंद मरावी ने विधायक पट्टा पर सवाल उठाते हुए कहा, "विधायक ने जिले की बात तो की, लेकिन अपनी ही विधानसभा की बदहाल स्थिति पर मौन क्यों साधे रखा? क्या वे बिछिया की जमीनी हकीकत से अंजान हैं या फिर जानबूझकर इस सच्चाई से नजरें फेर रहे हैं?"

ग्रामीणों और छात्रों के अभिभावकों ने भी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि बच्चों को हर दिन जान जोखिम में डालकर जर्जर स्कूल भवनों में पढ़ाई करनी पड़ रही है। कई स्कूलों की छतें बरसात में टपकती हैं, दीवारें गिरने की कगार पर हैं, और बरसात के मौसम में कई स्कूलों में पठन-पाठन का कार्य पूरी तरह ठप हो जाता है।

अब क्षेत्र की जनता यह सवाल पूछ रही है क्या विधायक केवल आंकड़े गिनाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेंगे, या फिर बिछिया की जमीनी हकीकत से रूबरू होकर ठोस और असरदार कदम भी उठाएंगे?

इनका कहना है -

विधायक नारायण सिंह पट्टा जी से यह गंभीर प्रश्न है कि आपने तीन पंचवर्षीय कार्यकाल में बिछिया विधानसभा क्षेत्र में आखिर क्या ठोस विकास कार्य किए हैं? यह स्पष्ट होता जा रहा है कि आप केवल वोट की राजनीति कर रहे हैं। आज भी हमारे विधानसभा क्षेत्र के शासकीय स्कूलों में भवनों की भारी कमी है, शिक्षक पद वर्षों से रिक्त हैं, और शिक्षा व्यवस्था चरमराई हुई है इसके बावजूद आपने अब तक इस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की।

जनप्रतिनिधि होते हुए आपने क्षेत्र की समस्याओं को अनदेखा किया है और जनता की अपेक्षाओं की बजाय स्वयं का राजनीतिक और व्यक्तिगत विकास प्राथमिकता बना लिया है।

डॉ. विजय आनंद मरावी
भाजपा नेता,
बिछिया विधानसभा, मंडला

तुलसी जयंती के शुभ अवसर पर हनुमान मंदिर बियर हाऊस में संगीत मय सुन्दर काण्ड पाठ

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

श्रावण मास के पावन अवसर में विश्व प्रसिद्ध साहित्यकार रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी जयंती श्रावण शुक्ल सप्तमी को जनपद शापिंग काम्प्लेक्स वियर हाउस में स्थापित श्री वट-पीपल संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर में सुन्दर काण्ड पाठ का पुरे हर्षोल्लास ध्वनिमय, लयबद्ध, वाद्ययंत्रों की सुमधुर ध्वनि के साथ किया गया। सुन्दर काण्ड को रामचरित मानस का सबसे महत्वपूर्ण भाग माना जाता है और इसे अक्सर इसलिए पढ़ा जाता है क्योंकि इसमें हनुमान जी की वीरता भक्ति और भगवान राम जी के प्रति समर्पण का वर्णन है माना जाता है कि सुन्दर काण्ड का पाठ करने से व्यक्ति को जीवन में सकारात्मकता, सुख शांति और समृद्धि मिलती है और यह भी माना जाता है कि सुन्दर काण्ड पाठ करने से श्री हनुमान जी खुश होते हैं और भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं नगर के सुर संगम के कलाकार मनहरण सोनी, मनोज साहू, संतोष ताम्रकार,अजय ठाकुर,सूरज साहू, चेतराम सिगौर, कोमल बंजारा आदि ने किया सुन्दर काण्ड पाठ में मुख्य रूप से शिव कुमार साहू, अजय पुरी गोस्वामी, तेज लाल राय, ओम राय, रमाशंकर राय, कृष्ण कुमार साहू, संतोष चौरसिया, मुकेश नामदेव, अभिलाष गोस्वामी, शंकर जघेंला आदि उपस्थित थे सुन्दर काण्ड पाठ का संजोयन राजेन्द्र कुमार साहू, सोनल अग्रवाल, राकेश सोनी, माधो सोनी, संदीप कसार, विकास चौरसिया, रिंकु सोनी, जागृत साहू, नितिन कसार, लालू येशू कसार, पुजारी गुल्लु कसार आदि शामिल रहे।

बगैर लिये बैंक में दर्ज है कर्ज, लगाया गया आरोप

मण्डला। जिले में अलग-अलग प्रकार से की गई ठगी के कई मामले पिछले दिनों उजागर हुए हैं। पुलिस की सक्रियता से अनेक आरोपी न्यायालय की अभिरक्षा में हैं इसी बीच एक और ठगी का मामला विगत दिवस उजागर हुआ है जिसकी शिकायत पीडित द्वारा पुलिस अधीक्षक एवं बैंकों के उच्चाधिकारियों से की गई है। सकवाह पुरवा निवासी गगन कछवाहा द्वारा कर्ज लेने के लिए एक बैंक में आवेदन दिया गया था, लेकिन जब इनकी सिबिल रिपोर्ट देखी गई तब पता चला कि इनके नाम पर आईडीबीआई बैंक शाखा मण्डला में खाता क्रमांक 1632651100000532 पर पचास हजार रूपये का कर्ज है। जबकि आवेदक का कहना है कि, मेरे द्वारा कर्ज नहीं लिया गया है न ही उक्त बैंक में मेरा खाता संचालित है और न ही मैं किसी का गारण्टर हूॅ। फिर मेरे नाम से ये कर्ज कैसे दर्ज हो गया है जो आश्चर्य का विषय है। जब पीडित आवेदक द्वारा संबंधित बैंक से संपर्क किया जाता है तब बैंक प्रबंधन द्वारा कहा जाता है कि ठीक कर लिया जायेगा, लेकिन दो वर्ष बीत चुके अभी तक समस्या का समाधान नहीं किया गया। पीडित के लिखित आवेदन को बैंक में नहीं लिया गया तब डाक के द्वारा आवेदन प्रेषित किया गया है। इस तरह की ठगी की वजह से अब पीडित व्यक्ति को अन्य बैंकों से लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिकायत पत्र में आग्रह किया गया है कि इनके नाम से कैसे और कौन कर्ज ले लिया है जॉच कर दोषियों के विरूध्द दण्डात्मक कार्यवाही की जाये एवं उक्त कर्ज से उनका नाम हटवाया जाये ताकि उसे अन्य बैंकों से लाभ मिल सके।

39 वाहनों की चैकिंग, 17 वाहनों पर कार्रवाई, जमा कराया गया समन शुल्क

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के आदेशानुसार परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस मण्डला द्वारा संयुक्त रूप से शुक्रवार को मण्डला-जबलपुर मार्ग पर वाहनों की सघन जांच की गई। चैकिंग के दौरान 39 वाहनों की जांच की गई, जिसमें यात्रियों से अधिक किराया लेने, फिटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, अग्निशमन यंत्र, फर्स्टएड बॉक्स, ओव्हरलोडिंग, हेलमेट, सीटबेल्ट एवं ब्रेथ एनालाइजर द्वारा वाहन चालकों की जांच की गई। चैकिंग के दौरान 17 वाहनों पर मोटरयान अधिनियम 1988 की विभिन्न प्रावधानों के तहत 15000 रूपये का समन शुल्क जमा कराया गया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में चिकित्सकीय सहायता दिलाये जाने हेतु राह-वीर योजना क्रियान्वित की गई है। योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्ति को इलाज हेतु अस्पताल ले जाने वाले नागरिक को 25000 रूपये एवं सर्टीफिकेट से प्रोत्साहित करने संबंधी प्रावधान किया गया है। इस संबंध में जन-जागरूकता हेतु वाहनों पर राह-वीर योजना संबंधी पोस्टर चस्पा किये गये। साथ ही यात्री बसों में किराया सूची चस्पा की गई एवं वाहन चालक एवं परिचालकों को निर्देशित किया गया कि यात्रियों का किराया सूची के अनुसार ही लें। अधिक किराया लेने या अन्य शिकायतें प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु सचेत भी किया गया। चैकिंग अभियान में जिला परिवहन अधिकारी श्री बिमलेश कुमार गुप्ता, यातायात उपनिरीक्षक श्री योगेश राजपूत एवं परिवहन कार्यालय व थाना यातायात का स्टॉफ उपस्थित रहा।

आयोजन | **बूझो जानो और देखो अपना प्रदेश थीम पर आयोजित हुआ जिलास्तरीय पर्यटन क्विज।**

मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज का आयोजन

*** सरदार पटेल कॉलेज परिसर में हुआ आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश के गौरवशाली इतिहास संस्कृती, परपरा, लोक कला और नैसर्गिक सौंदर्य से विद्यार्थियों को परिचित कराने के उद्देश्य से म.प्र. पर्यटन बोर्ड द्वारा जिला पुरातत्व, पर्यटन और संस्कृति परिषद मंडला, स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से जिला स्तरीय पर्यटन क्विज का आयोजन सरदार पटेल कॉलेज मंडला किया गया। सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट ने क्विज प्रतियोगिता के लाभ से अवगत कराते हुए अपने विद्यार्थी जीवन को याद किया उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज को राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने की मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की मनसा है। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कृत किया।इस प्रतियोगिता के लिए 162 विद्यालयों ने रजिस्ट्रेशन कराया। लिखित परीक्षा से चयनित प्रथम छह विद्यालयों ने मल्टीमीडिया राउंड में सहभागिता की। जिले में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर, भारत ज्योति स्कूल, शास उत्कृष्ट विद्यालय बीजाडांडी विजेता रहे वही शासकीय उमावि हिरदेनगर, ज्ञानदीप स्कूल एवं मोंटफोर्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंडला उपविजेता रहे। लिखित प्रतियोगिता से चयनित 6 विद्यालयों के मध्य मल्टीमीडिया राउंड आयोजित हुआ।अति आकर्षक 10 राउंड से सजे मल्टीमीडिया क्विज में विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश के पर्यटक स्थलों से जुड़े प्रश्नों का जवाब दिया।

विजेता टीम राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रथम विजेता तीन टीमों को मप्र राज्य पर्यटन बोर्ड द्वारा मेडल, प्रशस्ति पत्र तथा 3 दिवस और 2 रात का म प्र के पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए कूपन दिए गए। उपविजेता तीन टीमों को मेडल प्रशस्ति पत्र तथा 2 दिन-रात का भ्रमण कुपन दिए गए। प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागियों को स्वल्पाहार एवं भोजन प्रदान किया गया। जिलास्तरीय क्विज का संयोजन व मल्टीमीडिया राउंड का संचालन क्विज मास्टर अखिलेश उपाध्याय ने किया। अंकुश चौरसिया ने क्विज ऑपरेटर एवं योगेश चौरसिया राकेश चौरसिया एवं सनातन सैनी ने स्कोरर का दायित्व निभाया। गंगेश्वरी उइके ने कार्यालय दायित्व का निर्वहन किया। रोहणी प्रसाद शुक्ला ने पर्यटन गीत की प्रस्तुति दी। इस आयोजन में वीरेश्वर सिंग प्रति कूलपति सरदार पटेल यूनिवर्सिटी बालाघाट, मुन्नी बरकड़े जिला शिक्षा अधिकारी मंडला, कपिल तिवारी एपीओ जिला पंचायत, एलएस मसराम सहायक संचालक शिक्षा, मुकेश पांडे एपीसी समग्र शिक्षा, आशीष ज्योतिषी प्राचार्य सरदार पटेल कॉलेज, तफीम खान एकाउंट ऑफिसर एवं झरिया जिला पंचायत, आशीष गुप्ता मैनेजर बगीरा रिजॉर्ट कन्हा उपस्थित रहे। अवगत हो कि प्रतिवर्ष राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज का आयोजन मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के द्वारा किया जाता है।

बस स्टेड चौक, चौराहों पर आवारा घूमते मूक मवेशियो पर कब तक लगेगा अंकुश

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

नगर परिषद के सार्वजनिक स्थानों पर मवेशी मालिकों के द्वारा मूक मवेशियों छोड़ दिया जाता है जो पूरे नगर में सड़क चौक चौराहों बस स्टेड सहित राष्ट्रीय राज मार्ग NH 30 रोड पर दिन रात घूमते या रोड पर बैठे देखे जा रहे हैं इनसे होने वाली दुर्घटनाएं भी सभी को मालूम है मगर मजाल है प्रशासनिक व्यवस्था का कि इन पर कार्यवाही करे बसटेंड में सरेआम घूम रहे है दुकानों से फेंकी गई पन्नी रद्दी कचड़ा सड़ी गली सब्जी खराब भोजन जो फेंका जाता है सेवन करने को मजबूर हैं, जिससे उन्हें संक्रमित बीमारियाँ होने की संभावना हैं इसके लिए नगर परिषद को भी अनेकों बार अवगत कराया गया की हाका गैंग के माध्यम से इनकी समुचित व्यवस्था की जाये ओर इन मूक मवेशियों के मालिकों को नोटिस दिया जाए जिससे नगर में आवारा पशुओं पर अंकुश नग सके मगर अब तक कोई कारगर कदम नहीं उठाए गए जिससे व्यस्तताएं और खराब होती जा रही है।

मंडला जिले में अनेक पंचायतों नगरीय क्षेत्रों में नियम बनाए गए हैं आवारा मवेशी के मालिकों को आगाह किया जा रहा है और उन्हें पकड़कर गौ शालाओं में भेजा जा रहा है उसी क्रम में बिछिया नगर परिषद भी कोई मजबूत कदम उठा कर इन मवेशी मालिकों पर सख्त कार्यवाही करे और हाका गैंग को सशक्त बनाये, अर्थ दंड रखा जाए उसके बाद भी अगर कुछ न हो तो मवेशी वाहन के माध्यम से गौ शालाओं में भेजा जाए , पूरे नगर में बंजारी से लेकर तहसील कार्यालय तक सैकड़ों से ज्यादा मूक मवेशियों ने रोड पर चौक चौराहों पर बस स्टेण्ड सहित अनेक सार्वजनिक स्थानों में ही दिन-रात घूमते रहते हैं नगर प्रशासन इस ओर ध्यान दे।

शहर के वीरान इलाकों से लेकर ढ़ाबों में देर रात तक खुलेआम जाम छलकते हुये पड़ रहे दिखाई

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां पूर्व के समय में लोग शराब पीने के लिए ऐसी जगह खोजते थें जहां पर किसी की नजर न पड़े मगर इस समय तो स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों द्वारा जहां तहां बैठकर शराब का सेवन करते हुए नशे की हालत में सड़कों पर घूमते हुए आसानी से देख जा राकता है? इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो वर्तमान में अनुमानतः शहर के 60 प्रतिशत युवाओं और किशोरो में शराब पीने का शौक ऐसा लगा है कि वे रात को बिना जाम छलकाये रह ही नही पा रहे है, जिसके चलते वे शहर में एक भी वीयरवार न होने और अधिकांश शहर में बने हुये ढावों में शराब के जाम छलकाने के लिए उपयुक्त जगहों पर जाना पड़ता है पड़ता है और खुलेआम नगर के पास पास बने हुये ढ़ावों में देर रात तक शराब खोरी होते हुये दिखाई दे रही है? बताया जाता है कि इन दिनों शराब के शौकिनों द्वारा नगर के वायपास मार्ग पर स्थित ढाबों में जहां खुलेआम शराब की विक्री होने के साथ साथ यहां पर देर रात तक शराब पीने वालों की महफिले सजी हुई देखी जा रही है? इतना नही नही हालत यह बन चुकी है कि शहर से चंद कदम दूरी पर संचालित होने वाले इन ढाबो में अवैध रूप से बिकने वाली शराब व देर रात के होने वाली शराब खोरी के चलते जहां क्षेत्र के गांवों के लोगों का शहर आना मुश्किल होते हुये जान पड़ रहा है तो दूसरी ओर रात के समय ट्रेनों से उतरकर अपने गांव जाने वाले लोग भी अपने आपको असुरक्षित महसूस करने से नही चूक रहे है? क्षेत्रवासियों द्वारा पुलिस प्रशासन के अधिकारियों द्वारा शहर के आसपास संचालित होने वाले ढाबो पर चलने वाले शराब के अवैध कारोबार पर सख्ती से अंकुश लगाने की माग की जा रही है।

ब्राण्डेड कंपनी के मिलते जुलते सामानों की आई बहार, आमजन की जिन्दगी को बन रहा खतरा...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मार्केट में इन दिनों डिब्बा बंद खाद्य पदार्थो की मांग खासी बढ़ गई है। क्योंकि खुले समाान में शुद्धता की गारंटी नहीं होने और स्वास्थ्य पर पड़नें वाले प्रभाव के चलते लोग पैक आईटम की ओर आकर्षित होने से नही चुक पा रहे है, इसके चलते बाजार में नामी गिरामी कंपाानियों की विभिन्न वैरायटी के प्रोडक्ट आ रहे है जो बच्चों से लेकर बड़ो तक की पसंद बन गए है। मगर गौर किया जावे तो बाजार में कंपनियों से मिलते जुलते ब्रांडों की भी बाढ आई हुई है, यह सेहत पर क्या असर डालेंगे। इस बारे में न तो दुकानदार जान रहा है और न ही खाद विभाग को इतनी फुर्सत है कि इनकी जांच करें? बस दुकानदार तो कमीशन अधिक होने के फेरे में इन्हे बेचने में रूचि दिखाते हुए दिखाई दे रहे है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में दिखाई देने लगी है? अक्सर देखा जाता है कि बिना आई एस आई मार्क के भी प्रोडक्ट मार्केट में खुलेआम बेचे जा रहे है जो हानि कारक बताये जाते है? मगर ग्राहकों की जागारूकता के अभाव के चलते एवं दुकानदार लालच के चक्कर में असली की सूरत में नकली कंपानियों के समान बेचते हुए आसानी से दिखाई देते हुए जान पड़ रहे है..? एक्सपायरी डेट का उल्लेख नही होता है यदि इन समानों पर गौर किया जावे तो कई वस्तुओं पर तो इसके निर्माण की तिथि तक नहीं लिखी रहती और कई जगह एक्सपायरी डेट का समान बिकते हुए भी देखा जाता है? इन उत्पादों को शहर की गलियों सहित गांव गांव में बेचा जा रहा है और शहर सहित आसपास के कस्बों में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों में लाखों का कारोबार होता है, वही अच्छी कंपानियों का कमीशन कम है और दुकानदारों की मांग के अनुरूप इसकी पूर्ति नहीं होती है। इस कारण बाजार में इन नामों से मिलते जुलते प्रोडक्ट की बाढ़ देखने मिल रही है? वही दूसरी ओर यदि प्रशासन की सक्रियता पर गौर किया जावे तो इनके द्वारा कभी कभार ही इस प्रकार की दुकानों का कभी कभार ही निरीक्षण किया जाता है वह भी मात्र औपचारिकता पूर्ण होने के चलते इस प्रकार से गुणवत्ताहीन सामन की बिक्री करने वालों के हौसले बुलंद दिखाई दे रहे है?

बदहाली का शिकार हो रहे ग्रामीण क्षेत्रों में शासन द्वारा बनाये गये लाखों की लागत के यात्री प्रतीक्षालय

दिन भर शराबखोरी करने वालों के अड्डे बना रहने से बस यात्री नहीं कर पाते है इनका उपयोग, गंदगी सहित असामाजिक तत्वों का बोलबाल बता रहा है जिम्मेदारों की उदासीनता का प्रमाण ...

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

सरकार की विकास वादी सोच के चलते निश्चित तौर विकास होते हुये तो देखा जा रहा है। मगर कुछ विकास इस तरह से देखने मिल रहा है जिसमें पैसा खर्च होने के बाद भी उसके औचित्य पर सबासल खड़े होने से नही चूकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई सरकार द्वारा गांव गांव बन बाये गये यात्री प्रतिक्षालयों को देखते हुये जान पड़ रही है। यदि इन यात्री प्रतिक्षालयों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर का यात्री प्रतिक्षालय जहां नगर पालिका प्रशासन की देख रेख में निर्माण होते हुये देखा जा रहा है उसकी सच्चाई इस तरह प्रतीत हो रही है कि शायद इस समय जिन पेडो का रोपण किया जा रहा है वह फल देना शुरू कर देगे तबतक पूर्ण हो पायेगा..? इस स्थिति में बस यात्री बारिश के दौरान भीगते हुये खुले मैदान में खड़े होकर बसों कास इंतजार करते हुये देखे जाते है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में बने हुये यात्री प्रतिक्षालय बदहाली का शिकार होते हुये देखे जा रहे है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के गांवों में शहर के बस स्टेण्ड से बहुत सी बसे आती जाती है। परंतु जहां तक बस स्टेण्ड का सवाल है तो उसमें इतनी अधिक अव्यवस्था व्याप्त है कि बस यात्रियों को वहां बसों के आने के समय बैठना तक मुश्किल हो रहा है। इसी प्रकार का हाल गांवों में बने हुये यात्री प्रतिक्षालयों का देखने मिल रहा है जिसके चलते वह अनुपयोगी साबित होने से नही चूक रहे है। ज्ञातव्य है कि पूर्व वर्षो में क्षेत्र के अनेक ग्रामों में शासन-प्रशासन की ओर से चबूतरे, यात्री प्रतीक्षालय बनवाये गये थें जिसमें सांसद से लेकर विधायक निधि का भी उपयोग हुआ है। मगर हैरत की बात है कि लाखों की लागत से बनये हुये यह यात्री प्रतिक्षालयों का रख रखाव न होने की स्थिति में वह बदहाली का शिकार होकर रह गये है और शराब खोरी का अड्डा बन जाने के कारण उनका बस यात्री उपयोग ही नही कर पा रहे है। इस तरह क्षेत्र के अनेक ग्रामों में बनये हुये इन यात्री प्रतिक्षालयों की स्थिति तो इस प्रकार से देखने मिल रही है कि उनमें गेट नही होने के कारण शराब खोरी करने वालों के लिये एक सुविधा जनक अड्डा बनकर रह चुके है जिसके चलते दिन भर वहां पर शराब खोरी करने वालों का हुजूम लगने से नही चूकता है, जिसमें अधिकतर ग्रामों के यात्री प्रतिक्षालय अनुपयोगी हो गए है..? ग्रामीणों की माने तों कई गांवो मं बने यात्री प्रतीक्षालयों में मवेशियों के प्रवेश, मनचाहे लोगों की बैठक होने से गंदगी व्याप्त होते हुये देखी जा रही है। क्षेत्र में अनेक जगहों पर तो सच्चाई इस प्रकार से देखने मिलती है कि गांवों में बने हुए यह यात्री प्रतीक्षालय पूर्णरूप से शराब खाना बनकर रह गये है जिनमें लोग 24 घंटे शराब पीते हुए दिखाई देते रहते है और प्रतिक्षालयों के अंदर ही शराब की खाली बाटले छोड़कर चलते बनते है? नतीजतन ग्रामों के निवासियों ने यात्री प्रतीक्षालयों का उपयोग बंद कर सड़क पर खड़ होकर बसों की प्रतीक्षा करना बेहतर समझा और वर्तमान में स्थिति यह हो गयी कि क्षेत्र के बहुत से ग्रामों मं बने यात्री प्रतीक्षालयों की दशा शोचनीय होती चली जा रही है। यदि सच्चाई पर नजर डाली जावे तो गांवों में बस यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर यात्री प्रतीक्षलय बनाने में सरकार न लाखो रूपए खर्च किए पर अफसोस की बात है कि इन यात्री प्रतीक्षालयों में इस तरह की सहूलियतें नही दी गयी, जिससे बस यात्री गर्मी, बारिश के समय में इनके अंदर बैठकर बसों के आने का इन्तजार कर सके। कई गांवों में यात्री प्रतीक्षालय दुर्दशा के शिकार है, प्रशासन को इन पर ध्यान देकर बस यात्रियो को नए सिरे सुविधा देने पर विचार करना चाहिए। इस तरह गॉवों में यात्री प्रतिक्षालय तो बना दिए गए पर उनमें सुविधाओं का अभाव होने से उनके निर्माण का औचित्य पूरा नही हुआ..? यात्री प्रतीक्षालयों में पेयजल, निस्तार की सुविधा न होने से महिलाओं, बच्चों को परेशान होना पड़ता है और जब सड़क पर ट्रेफिक ज्यादा होता ह उस दौरान होटलों या सड़क किनारें खड़े होकर उन्हे बसों के आने की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। यह सच्चाई है कि क्षेत्रीय गांवों के निवासी कहीं आनेजाने के लिए बसों की यात्रा पर ही निर्भर है, इसलिए जरूरी है कि यात्री प्रतीक्षालयों की दशा में सुधार की दिशा में प्रशासन को गंभीरता का परिचय देना चाहिए।

जनता के हित की आवाज उठाने वालों पर सात साल पहले दर्ज हुये मामले में न्यायालय द्वारा पूर्व विधायक सुनीता पटैल, डॉ. योगेश सहित अन्य को किया निर्दोष बरी, सत्य परेशान होता है मगर हारता नहीं- कौरव

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

समीपस्थ चीचली क्षेत्र में स्थापित एनटीपीसी पावर प्लाट द्वारा की जा रही मनमानी तथा प्रभावित लोगों को नौकरी नही दिये जाने की बात को लेकर सात साल पहले यानि की वर्ष 2018 में प्रभावित किसानों सहित क्षेत्र के समाज सेवियों द्वारा एनटीपीसी के खिलाफ आंदोलन किया गया था।

इतना ही नही जिला मुख्यालय पर किये गये आंदोलन धरने के चलते जब वह कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे तो वहां पर प्रतिबंधात्मक क्षेत्र में जिला कलेक्टर के आदेश की अव्हेलना का आरोप लगाते हुये नरसिंहपुर कोतलवानी पुलिस द्वारा मामला कायम करते हुये कार्यवाही की गई थी। इस तरह लगभग सात साल तक न्यायालय में चलने के बाद इस मामले में आरोपी लाखन सिंह पटैल निवासी इमलिया, मिनेन्द्र डागा गाडरवारा, पूर्व विधायक श्रीमति सुनीता पटैल, सुरेन्द्र उर्फ मझले भैया चारगांव, डा योगेश कौरव, एकम सिंह पटैल डोभी, ब्रज मोहन उर्फ बिरजू कौरव कामती, जन्डेल कौरव डोगरगांव, मनोज शर्मा चीचली, पुरूषोत्तम चौरासिया गांगई चंपा लाल पाठक, हीरेश पाठक, सुनील उर्फ बबलू शर्मा तीनो गांगई, परूषोत्तम पाली, बैजनाथ पाली, रामफल शर्मा चोर बरहटा को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मा. राधाकृष्ण यादव द्वारा अपना निर्णय सुनाते हुये सभी को दोष मुक्त करते हुये निर्दोष बरी किया गया है। घटना का विवरण इस तरह बताया जाता है कि 22 जनवरी 2018 को यह लोग एनटीपीसी से प्रभावित किसानों की मांगों को लेकर कलेक्टेट के सामने धरना प्रदर्शन कर रहे थें। उस दौरान कोतवाली पुलिस द्वारा जिला दंड अधिकारी के आदेश की अव्हेलना के आरोप में धारा 188 भा.द. वि. के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले को लेकर 22 जनवरी 2018 को राजेन्द्र कुमार राय अनुविभागीय दंडाधिकारी नरसिंहपुर ने यह पत्र पेश किया गया था कि कार्यालय कलेक्टेट परिसर में धरना प्रदर्शन कर अशांति फैलाई जा रही है। उक्त पत्र के आधार पर पुलिस द्वारा मामला दर्ज करते हुये मामले का अंतिम प्रतिवेदन मा.न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। इस तरह सात साल तक न्यायालय में चली इस प्रकरण की सुनवाई के बाद न्यायालय द्वारा सभी आरोपियों को दोष मुक्त यानि की निर्दोष बरी करने का निर्णय सुनाया गया। इस निर्णय को लेकर डां. योगेश कौरव का कहना है कि शासन प्रशासन द्वारा हम लोगों के खिलाफ पूर्णरूप से झूठा मामला दर्ज किया गया था जिसके चलते न्यायालय में सच्चाई सामने आने के बाद झूठ पर सच्चाई की जीत सामने आई और हम लोग निर्दोष बरी हुये है। क्योंकि झूल परेशान हो सकता है मगर कभी पराजित नही होता है। यह सच्चाई इस मामले में देखने मिली है। हम लोगों को सात साल तक कुछ परेशान जरूर होना पड़ा था। मगर आखिर में मा. न्यायायल के सक्षम न्यायाधीश द्वारा सच्चाई पर निर्णय की मुहर लगाते हुये हम लोगों को बरी होने का निर्णय सुनाया गया।

ट्रेक्टर ट्राली किराये से लेने की बात पर हुई मारपीट

हरिभूमि न्यूज/ चीचली।

डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम भैरोपुर निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे मेरे निर्माणाधीन मकान के लिए चीचली के रेत कम्पनी से रेत लाने के लिए मेरे छोटे भाई राहुल ने गांव के संतराम कौरव की ट्रेक्टर ट्राली को एक दिन के लिए किराये से ली गई थी। जब प्रार्थी का भाई राहुल ट्रेक्टर मय ट्राली के लेकर घर आ रहा था। उसी समय गांव का संतोष ठाकुर रास्ते में मिला और बोला कि ट्राली जाकर संतराम को वापस कर दे, मैने संतराम से बात कर ली है। तब राहुल ने संतोष को बोला कि मैने ट्राली एक दिन के लिए किराये से ली है। कल मोहलत खतम होगी तो लौटा दूँगा तब तू उससे ट्राली ले लेना। इस बात को लेकर संतोष ने प्रार्थी के भाई राहुल से विवाद करने लगा जिसके चलते राहुल लड़ाई बरकाते हुये चला गया। इसी बात को लेकर जब प्रार्थी अपने घर के पास खड़ा था उसी दौरान संतोष आया और अपने हाथ में ट्रेक्टर से ट्राली को ज्वाइंट करने वाली लोहे के मोटे तार से गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट करने लगा। हल्ला सुनकर प्रार्थी के पिता मंजू और माँ बाहर आये संतोष ठाकुर के साथी द्वारा प्रार्थी के पिता के साथ भी डंडे से मारपीट की गई। बीच बचाव करने के लिये जब प्रार्थी का भाई राहुल आया तो आरोपियों द्वारा उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

नांदनेर में यात्री प्रतीक्षालय न होने से यात्रियों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर

जहां एक ओर सरकार द्वारा गांव गांव अपनी जनराशि करते हुए विकास कार्य कराये जा रहे है, मगर कहा जाता है कि वह विकाय का कार्य सही कहलाता है जिसकी लोगों को उपयोगता होती है और यदि वही विकास कार्य नही होता है तो संपूर्ण विकास कार्यो पर प्रश्न चिन्हें लग जाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम पंचायत नांदनेर में देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि हायर सेकेण्डरी स्कूल होने के साथ साथ सेवा सहकारी समिति सहित अन्य सुविधाएं तो गांव में उपलब्ध है, मगर यहां पर यात्री प्रतिक्षालय नही होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्योंकि ग्राम नांदनेर गाडरवारा पिपरिया मुख्य मार्ग पर स्थिति होने के कारण यहां से सभी प्रकार के वाहनों का निकलना होता है, वही यहां पर अपनी यात्रा करने के लिए इस मार्ग से चलने वाली बसों को पकड़ने के लिए प्रतिदिन आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम झांझनखेड़ा, मिढ़वानी, देवरी, दहलवाड़ा, छोटी बनखेड़ी सहित अन्य गांवों के लोगों का आना जाना भी रहता है, मगर यात्री प्रतीक्षालय न होने से उन्हे जहां बारिश के दिनों में गिरते हुये पानी तो गर्मी के दिनों में तेज तपती हुई धूप में खड़े होकर बसो का इंतजार करने मजबूर होना पड़ता है वही चाय पान दुकानों का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो सबसे अधिक परेशानी का सामना तो महिला यात्रियों के साथ मरीजों को करना पड़ती है, क्योंकि बैठने की व्यवस्था नही होने से जहां बसों के इंतजार में मरीजों को काफी समय तक खडे रहना पड़ता है, वही सड़क किनारे खड़े होने से महिलायात्रियों को असामाजिक तत्वों के छीटाकशी का शिकार होकर अपमानित होना पड़ता है? इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए ग्रामवासियों के साथ साथ आसपास के ग्रामवासियों द्वारा बस यात्रियों की परेशानी के मद्देनजर नांदनेर में यात्री प्रतीक्षालय के निर्माण की दिशा में पहल करने के क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से गुहार लगायी है।

पडौसियों में मिट्टी खोलने की बात को लेकर हुआ विवाद, पुलिस ने दर्ज किया काउन्टर मामला

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

अक्सर देखा जाता है कि लोग छोटी छोटी बातों को लेकर एक दूसरे की जान के दुश्मन बनकर मारपीट करने पर उतारू होने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम मुंआर में देखने मिली है जहां पर खेत पडौसियों के बीच खेत की मिट्टी खोदने की बात को लेकर विवाद होने से पुलिस द्वारा दोनों पक्षों की शिकायत पर काउन्टर मामला दर्ज किया गया है। घटना के संबंध में स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम मुंआर निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैने जब अपने खेत में जाकर देखा तो वहां पर छोटे लाल पाल तथा नीलेश पाल प्रार्थी के खेत की मिट्टी खोदकर खुद के खेत की मेढ़ पर डाल रहे थें। प्रार्थी द्वारा जब इस तरह खेत की मिट्टी खोलने से रोका गया तो दोनों ने एक राय होकर गंदी गंदी गालिया देते हुये प्रार्थी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। वही दूसरी पक्ष की ओर से की गई शिकायत में प्रार्थी द्वारा बताया गया है कि मेरे खेत की मेढ से महेश पटेल का खेत लगा हुआ है जो चाहे जब मेढ किनारे खोदता है जो मुझसे बुराई रखता है। बीते हुये दिवस मैं अपने खेत मे मेढ किनारे धान लगा रहा था उसी समय गांव का महेश पटेल एवं उसके पिता भगवानसिंह पटेल दोनो एक राय होकर आये और मुझे मेढ की बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगे जो सुनने मे बुरी लग रही थी प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो दोनों ने एक राय होकर मारपीट करना शुरू कर दिया गया। झगडे को देख जब प्रार्थी की पत्नी व पुत्र नीलेश तथा लड़की बीच बचाव करने के लिये आये तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना को लेकर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर कान्टर मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

स्टैट हाईव गाडरवारा करेली मार्ग पर निकल रहे गड्ढों के चलते वाहन चलना हुआ मुश्किल, किसी दिन घटित हो सकती है बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/कौडिया। जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। मगर अक्सर देखा जाता है कि सरकार द्वारा सड़कों के लिए स्वीकृत की जाने वाली राशि का निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सीयों द्वारा इस प्रकार से निर्माण किया जाता है कि वह जहां चंद दिनों में अपनी गुणवत्ता की कहानी स्वयं बताने लगी है, वही दूसरी ओर आम लोगों के लिए पेरशानी का कारण बनती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय स्टैट हाइवे माने जाने वाले गाडरवारा करेली मार्ग में भी देखी जा रही है। बताया जाता है कि जब इस सड़क का निर्माण हुआ था तो गांव के अंदर जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जो गुणवत्ता को अपराया गया था उसी समय क्षेत्र के अखबरों द्वारा गुणवत्ता की सच्चाई को उजागर करते हुए क्षेत्र के नेताओं से लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया जाता रहा है। मगर उस समय अधिकाकिारियों द्वारा बरती गई उदसीनता का परिणाम है कि इस सड़क पर निकल रहे गड्ढो के चलते जहां वाहन चलाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना ही पड़ रहा है। वही दूसरी ओर लोगों की जान के लिए भी खतरा पैदा हो रहा है। करोड़ो रूपया की लागत से लागत ग्राम कौड़िया के अंदर बनाई गई सीमेंट सड़क में गुणवत्ता की अनदेखी किये जाने के कारण यह सड़क जगह जगह से टूटने लगी है। सड़क के बीचों बीच जानलेवा गड्ड़े निर्मित हो गए है, जिसके चलते यह गड्ढे राहगीरो के लिए जानलेवा सिद्ध हो रहे है, इस समय चल रहे बारिश के मौसम में सड़क पर निकले हुए गड्ढो में बरसात का पानी भरने के कारण दिखाई नही देते है और जब अचानक वाहन उनमें चला जाता है तो आये दिन छोटे वाहन चालकों को गिरते हुए देखा जाता है, इस सच्चाई को लेकर लगातार आबाज उठाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिया जा रहा है।

बगैर पूछे मायके जाने पर पति द्वारा पत्नी से की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कठौतिया निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में बीते हुये दिवस अपने बच्चों के साथ मेहमानी के लिये गाडरवारा बीटीआई स्कूल के सामने अपने भाई शिवम के साथ आई हुई थी। इसी बात को लेकर बीते हुये प्रार्थिया का पति रामगोपाल विश्वकर्मा आया और बोला की तू बगैर पूछे अपने मायके क्यों आई है। इसी बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगा जब पीड़िता द्वारा पति को गाली देने से मना किया तो उसके द्वारा मारपीट करते हुये चोटे तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बेल्ट से की गई मारपीट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस स्थानीय गिरी कालोनी निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने किसी काम से कुचबंदिया मुहल्ला से जा रहा था उसी दौरान बसोरी लाल एवं उसके एक साथी द्वारा एक राय होकर गंदी गंदी गालिया देते हुये बेल्ट से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

प्रतिबंध अवधि के दौरान आखिरकार किसके संरक्षण में किया जा रहा मछलियों का शिकार

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

कहने के लिये तो इस समय नदी नालों मछली मारने पर जिला दंड अधिकारी द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है। मगर स्थानीय अधिकारियों की अनदेखी कही जावे या फिर मिली भगत के चलते जिला कलेक्टर के आदेश का पालन होते हुये दिखाई नही दे रही है। सांईखेड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत जहां खुलेआम सट्टे के अवैध कारोबार से लेकर मादक पदार्थो की बिक्री जहां एक इतिहास कायम बरते हुये हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर इस समय नर्मदा नदी सहित अन्य सभी प्रकार की नदियों में मछली का शिकार करने से लेकर उनके परिवहन व विक्री पर जिला कलेक्टर द्वारा 15 अगस्त तक के लिये प्रतिबंध जारी किया गया है। मगर हैरत की बात है कि सांईखेड़ा बाजार में जहां पुलिस अधिकारियों की आंखों के सामने मछली की बिक्री होते हुये देखी जा रही है तो सांईखेड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले नर्मदाजी के अनेक घाटों में दिन भर मछलियों का शिकायर होते हुये देखा जाना आम बात बनी हुई है। जबकि गौर किया जावे तो बीते हुये 15 जून को जिला कलेक्टर द्वारा मछलियों के शिकार करने से लेकर उनके परिवहन व विक्रय करने पर रोक लगाने के स्पष्ट आदेश जारी करने के साथ साथ कार्यवाही करने का जिम्मा पुलिस अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों को सौपा गया है। मगर इसके बाद भी जिस तरह सांईखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नर्मदा नदी में खुलेआम जहां तहां हो रहे मछली के शिकार तो दूसरी ओर सांईखेड़ा मुख्य बाजार में मछली की बिक्री होना निश्चित तौर से सांईखेड़ा पुलिस की भूमिका को संदेह के घेरे में लाने से नही चूक रही है? इस सच्चाई को देखते हुये लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि आखिर कार किसके संरक्षण में चल रहे है यह अवैध कारोबार? यदि मछलियों के शिकार की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो इस समय सांईखेड़ा थाना के अंतर्गत आने वाले ग्राम टुईयापानी सहित आसपास लगे हुये अनेक घाटों पर लोगों द्वारा दिन भर मछलियों का शिकार करते हुये उन्हें विक्रय करने के लिये सांईखेड़ा परिवहन करने से नही चूक रहे है। मगर इसके बाद भी सांईखेड़ा पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार से कोई कार्यवाही न करना जहां एक ओर जिला कलेक्टर के आदेश को ग्रहण लग रहा है तो दूसरी ओर पुलिस की भूमिका संरक्षण की मुद्रा में प्रतीत होने से नही बच पा रही है?

न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड गाडरवारा
(श्री अजय सिंह यादव)

अनीश कौरव बगैरह.....आवेदकगण बनाम
श्रीमति चंदा बाई बगैरह.....अनावेदकगण
प्रे. स. न. 167/2025
प्र.क्र. MJC SUC - 7/ 2025
तारीख आ. - 28/07/2025
तारीख पेशी - 28/08/2025

इश्तहार आम जनता को सूचना बावत्

इस न्यायालय में अनीश कौरव उम्र 21 वर्ष आ. स्व. तेजराम कौरव निवासी ग्राम लिलवानी तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर (म. प्र.) एवं आशीष उम्र 27 वर्ष आ. स्व. श्री जसवंत सिंह कौरव निवासी ग्राम लिलवानी तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर (म. प्र.) द्वारा एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम बावत प्रस्तुत किया है जिसका प्र. क्र. MJC SUC - 7/2025 है, जिसमें सर्वसाधारण को इश्तहार प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप पेशी दिनॉक 28.08.2025 को समय सुबह 11 बजे इस न्यायायल में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से जिसको समस्त तथ्यों की जानकारी हो उपस्थित हो, आपके अनुपस्थित रहने पर आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण कर दिया जावेगा। यदि पेशी दिनॉक 28.08.2025 को पीठासीन अधिकारी अवकाश पर रहते है या शासकीय अवकाश घोषित होता है तो उक्त प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस पर होगी । आज दिनॉक 28.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

गाडरवारा
दिनॉक-28/07/2025

(अजय सिंह यादव)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड
गाडरवारा जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)

खबर संक्षेप

निःशुल्क साइकिल वितरण से छात्राओं को मिला आगे बढ़ने का सहारा

डिंडौरी। प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा को सुलभ और समावेशी बनाने हेतु चलाई जा रही योजनाओं के अंतर्गत करंजिया ब्लॉक के एकीकृत माध्यमिक विद्यालय, जोगीग्वारा में निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को शाला तक पहुँचने के लिए साइकिल प्रदान की गई, जिससे अब वे नियमित और समय पर विद्यालय पहुँच सकेंगी।कार्यक्रम में कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र सिंह, विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर.के. पांडे तथा बीआरसी अजय राय विशेष के नेवत्व उपस्थित रहे। उनके नेतृत्व में यह वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस अवसर पर बावली सरपंच हेमलता मरावी, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष पुरुषोत्तम पवाडिया एवं प्रधानाध्यापक रामकुमार गर्ग ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रामवासियों ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे एक सामूहिक प्रयास का रूप दिया। सरकार की अन्य शैक्षिक योजनाओं की तरह यह योजना भी ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को मुख्यधारा में जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश और अब साइकिल वितरण से शिक्षा अब सच में 'हर घर, हर बच्चा तक पहुँच रही है।

हादसे में घायल को तत्परता से दी गई सहायता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। रात्रि हाईवे पर हुई एक सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्ति को यातायात हाईवे चौकी अनूपपुर टीम द्वारा त्वरित सहायता प्रदान की गई। यह सहायता 'पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान' के निर्देशन में चल रही सतत पेट्रोलिंग के दौरान संभव हो सकी। घटना की जानकारी मिलते ही एएसआई आनंद तिवारी, एएसआई संजय श्रीवास एवं अन्य स्टाफ द्वारा तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल को प्राथमिक उपचार दिलाया गया एवं सुरक्षित रूप से अस्पताल पहुंचाया गया। ज्ञात हो कि जिला पुलिस द्वारा लगातार गश्त और निगरानी की जा रही है ताकि आमजन को समय पर सहायता मिल सके एवं सड़क हादसों में जान-माल की हानि रोकी जा सके।

बोल बम के साथ निकलेगी कांवड़ियों की अमरकंटक से यात्रा

अनूपपुर। सावन के पावन अवसर पर 4 अगस्त को सुबह 6 पवित्र नगरी अमरकंटक से बमलेश्वर धाम बावनगढ़ के लिए बोल बम कावड़ यात्रा नर्मदा अंचल वीर शिवाजी युवा संगठन हीरा सिंह श्याम मित्र मंडली के नेतृत्व में निकलेगी। इस यात्रा में लगभग 2000 लोगों के शामिल होने की व्यवस्था बनाई गई है। बोल बम कावड़ यात्रा का यह सफर लगभग 45 किलोमीटर का होगा जो सुबह नर्मदा जल लेकर यात्रा प्रस्थान करेंगी और शाम को बमलेश्वर धाम बावनगढ़ पहुंचेगी जहां पर भोलेनाथ पर जलाभिषेक सभी भक्तगण करेंगे। पिछले 6 वर्षों से निरंतर निकलने वाली बोल बम कावड़ यात्रा का नेतृत्व करने वाले भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने बताया कि मैकल पर्वत की वादियों में प्राचीन मंदिर बमलेश्वर धाम बावनगढ़ स्थित है यहां पर नर्मदा जल का जलाभिषेक करना अपने आप में एक पुण्य का कार्य है हमारी समिति पिछले 6 वर्षों से इस यात्रा को सुचारू रूप से संपन्न कर रही है और इस वर्ष भी 4 अगस्त को यह यात्रा निकलेगी।

माध्यमिक शाला कन्या बस्ती मे किया गया वृक्षारोपण

अनूपपुर। मप्र शासन के निर्देशानुसार एक पेड़ मां के नाम के तहत माध्यमिक शाला कन्या बस्ती अनूपपुर द्वारा विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम की अतिथि अनूपपुर नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती मति सोनाली पिंटू तिवारी, वार्ड नम्बर 14 की पार्षद श्रीमती कंचन गजेन्द्र सिंह रही अन्य आमंत्रित अतिथियों में भाजपा के वरिष्ठ नेता गजेन्द्र सिंह, पार्षद सुभाष पटेल, समाजसेवी भाजपा नेता पिंटू तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सत्येन्द्र स्वरूप, चैतन्य मिश्रा, विद्यालय के प्राचार्य अजय प्रसाद, शैल शर्मा, सविता प्रजापति, एस स्वाति राव, विद्या राठौर ने वृक्षारोपण किया। विद्यालय प्रचार अजय प्रसाद ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए अपने अपने घरों में एक पेड़ लगाने का संकल्प दिलाया गया।

मनरेगा भुगतान के बदले

सप्लायर से लाखों की डिमांड का ऑडियो वायरल

रुपयों के लेनदेन के कई ऑडियो और डिजिटल पेमेंट की हिस्ट्री बतौर सबूत के साथ पीड़ित सप्लायर ने शिकायत किया

"आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिले मेंरोजगार गारंटी योजना महज कमीशन बंटवारा योजना बन कर रह गई है, सामुदायिक और हितग्राही मूलक कार्य स्वीकृत से लेकर सीसी तक कमीशन खोरी चरम पर है, आलम यह है कि हक़ीक़त में निर्माण कार्यों में महज 30 फीसदी राशि खर्च किया जा रहा है, बाकी 70 फीसदी राशि नीचे से लेकर ऊपर तक के जिम्मेदारों के जेब में बतौर कमीशन पहुंच रहा है। कमीशनखोरी का कुछ ऐसा ही माजरा सामने आया है..?"

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

बजाग जनपद पंचायत में पदस्थ एपीओ अशोक कुड़ापे द्वारा मटेरियल सप्लायर से बतौर कमीशन एक लाख रुपये मांगने का मामला सामने आया है। मटेरियल सप्लायर केशव राय का आरोप है की पुलिया निर्माण का बिल भुगतान करने के एवज में एपीओ अशोक कुड़ापे द्वारा एक लाख रुपये कमीशन की डिमांड की गई थी जिसमें करीब साठ हजार रुपये सप्लायर द्वारा एपीओ को दिए जा चुके हैं।

साठ हजार रुपये कमीशन देने के बाद भी जब सप्लायर का भुगतान नहीं हुआ तो उसने इसबात की शिकायत जनपद और जिला पंचायत सीईओ से की है। दरअसल बजाग जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत शोभापुर में रोजगार गारंटी योजना के तहत

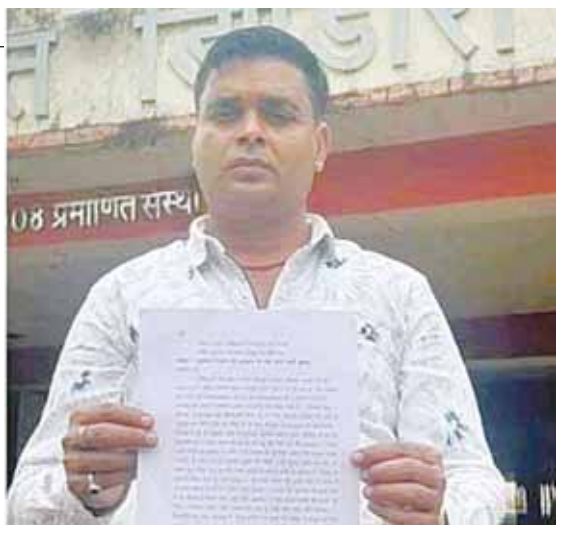

करीब बारह लाख रुपये की लागत से पुलिया का निर्माण कराया गया था और इसी पुलिया के निर्माण में सप्लायर केशव राय ने मटेरियल की सप्लाई की थी। मटेरियल सप्लायर और एपीओ के बीच रुपयों के लेनदेन के कई ऑडियो और डिजिटल पेमेंट की हिस्ट्री बतौर सबूत के साथ पीड़ित सप्लायर ने अधिकारियों से शिकायत की है जिसके बाद पंचायत महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

इस मामले को लेकर जब हमने एपीओ अशोक कुड़ापे से उनका पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने कैमरे के सामने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया तो वहीं जिलापंचायत सीईओ अनिल कुमार राठौर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एपीओ को तत्काल प्रभाव से कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है साथ ही जाँच के बाद एपीओ के खिलाफ सख़्त कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

अतिथि शिक्षकों की बहाली तय, पुराने शिक्षकों को मिलेगी प्राथमिकता: ज्ञापन सौंपने के बाद प्रशासन से बनी सहमति

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले में सैकड़ों अतिथि शिक्षकों ने जिला अध्यक्ष इमरान मलिक के नेतृत्व में अपनी मांगों को लेकर एकजुटता दिखाई। जिले के सभी सातों विकासखंडों से आए अतिथि शिक्षकों ने संयुक्त रूप से कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिला पंचायत पहुंचकर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष से मुलाकात की। बैठक के दौरान जिलाध्यक्ष इमरान मलिक द्वारा अतिथि शिक्षकों की भर्ती एवं समस्याओं को लेकर सारगर्भित चर्चा की गई। सहायक आयुक्त महोदय ने तुरंत ही शिक्षकों की मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए कहा कि जुलाई माह से ही अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति मान्य मानी जाएगी तथा मानदेय का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे अपने-अपने विद्यालय जाकर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें। इसके अलावा, उन अतिथि शिक्षकों की भी बात की गई जो ट्रांसफर या अन्य कारणों से बाहर हो गए हैं। इस पर भी सहायक आयुक्त ने सहमति जताई कि रिक्त पदों पर पुराने अतिथि शिक्षकों को ही प्राथमिकता देते हुए पुनः नियुक्त किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम में अतिथि शिक्षकों की एकजुटता और नेतृत्व की भूमिका अहम रही। शिक्षकों ने प्रशासन के त्वरित निर्णय पर संतोष जताया और भरोसा व्यक्त किया कि भविष्य में भी इस तरह समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

आंगनबाड़ी केंद्र के नाम पर हुआ भ्रष्टाचार, बगैर निर्माण कार्य शुरू कराए 3.5 लाख का बंदरबाट

बजाग जनपद की परसवाह पंचायत में वित्तीय अनियमितता का खुला खेल, जिम्मेदार मौन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवाह से एक गंभीर वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है, जहां शासन द्वारा छोटे बच्चों के लिए स्वीकृत आंगनबाड़ी भवन की राशि का जमकर दुरुपयोग किया गया है। मामला बेहद चौंकाने वाला है क्योंकि यहां भवन की नींव रखने से 7 महीने पहले ही लाखों रुपये आहरित कर लिए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर एक भी ईंट नहीं रखी गई।

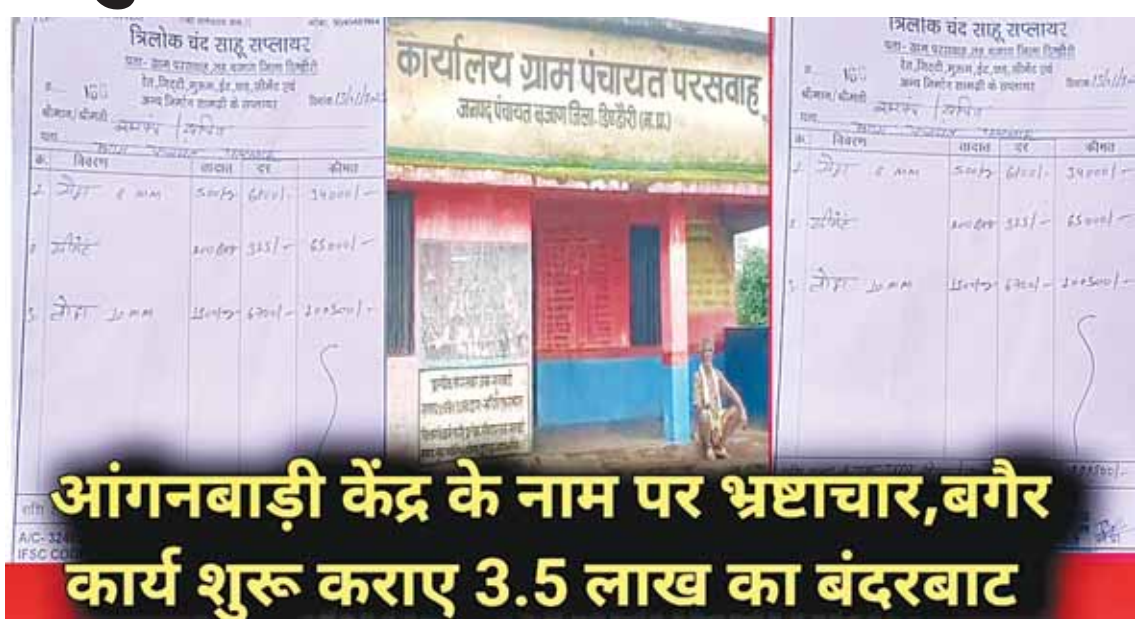

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2022 में पुचछाटोला में एक नए आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी। इस केंद्र का उद्देश्य छोटे बच्चों को सुरक्षित और सुविधाजनक शिक्षा और पोषण का वातावरण उपलब्ध कराना था। परंतु तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी भवन निर्माण की शुरुआत तक नहीं हुई।

चौंकाने वाली बात यह है कि जनवरी 2025 में ग्राम पंचायत परसवाह के सरपंच और सचिव द्वारा इस योजना की राशि में से साढ़े तीन लाख रुपये निकाल लिए गए, जबकि ज़मीन पर कोई कार्य शुरू नहीं हुआ। यह राशि निजी स्वार्थ में खर्च कर ली गई है, जिसका कोई हिसाब नहीं है। बच्चों के लिए जो भवन बनना था, वह आज भी सपना बना हुआ है, और बच्चे अब भी किराए के जर्जर भवन में पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

सूत्रों के अनुसार, एकीकृत बाल विकास परियोजना द्वारा ग्राम पंचायत को कई बार पत्र भेजे गए और निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए गए, पर हर बार पंचायत की ओर से या तो टालमटोल किया गया या कोई उत्तर नहीं दिया गया। यह मामला केवल लापरवाही का नहीं बल्कि योजनाबद्ध भ्रष्टाचार का प्रतीक बन चुका है, जिसमें ग्राम के ही जनप्रतिनिधियों ने अपने कर्तव्यों से मुँह मोड़ते हुए बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। विभागीय अधिकारी भी मूकदर्शक बने बैठे हैं, जिससे साफ है कि इस लापरवाही और घोटाले को कहीं न कहीं संरक्षण प्राप्त है।

प्रशासन की निष्क्रियता ने खोली व्यवस्था की पोल

सवाल यह उठता है कि आखिर शासन-प्रशासन कब तक इन मामलों को अनदेखा करता रहेगा? यदि बच्चों के लिए स्वीकृत राशि तक को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता, तो शासन की योजनाएं आखिर किसके लिए हैं? ग्राम पंचायत परसवाह में भ्रष्टाचार अब आम बात हो गई है, और यह मामला उसकी एक बानगी मात्र है। आवश्यक है कठोर कार्रवाई अब यह देखना होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर वित्तीय अनियमितता पर क्या रुख अपनाता है। यदि जल्द कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो यह न केवल भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद करेगा, बल्कि भविष्य की कई योजनाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठेंगे।

जिला स्तरीय टूरिज्म क्विज प्रतियोगिता सम्पन्न विजेता टीमों को मिला पर्यटन भ्रमण कूपन

जिला स्तरीय टूरिज्म क्विज प्रतियोगिता सम्पन्न, विजेता टीमों को मिला पर्यटन भ्रमण कूपन सीएम राइज धनुवासागर सहित तीन विद्यालयों ने जीता जिला स्तरीय टूरिज्म क्विज का खिताब

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

पर्यटन को बढ़ावा देने एवं विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से शुक्रवार को मेकलसुता महाविद्यालय डिण्डौरी में जिला स्तरीय टूरिज्म क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के शासकीय एवं निजी हाई तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों के 309 विद्यार्थियों ने भाग लिया। तीन विद्यार्थियों की टीम बनाकर सभी विद्यालयों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता दो चरणों में संपन्न हुई। पहले चरण में मध्यप्रदेश के पर्यटन, पुरातत्व और संस्कृति विषय पर आधारित लिखित परीक्षा आयोजित हुई। इसमें शीर्ष छह टीमों का चयन किया गया, जिनमें शामिल थीं सीएम राइज स्कूल धनुवासागर, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिण्डौरी, शासकीय आदर्श विद्यालय करंजिया, महर्षि एंग्लो वैदिक स्कूल गाड़ासरई, राजूषा हायर सेकेंडरी स्कूल डिण्डौरी, एवं सीएम राइज स्कूल राई।

दूसरे चरण में मल्टीमीडिया राउंड आयोजित किया गया जिसमें क्विज मास्टर अश्विनी कुमार साहू द्वारा ऑडियो-वीडियो आधारित रोचक प्रश्न पूछे गए। दर्शकों के लिए भी प्रश्न रखे गए, जिससे वातावरण और भी उत्साहपूर्ण हो गया।

विजेता टीमों में सीएम राइज स्कूल धनुवासागर, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिण्डौरी और शासकीय आदर्श विद्यालय करंजिया का चयन हुआ। ये टीमें अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में डिण्डौरी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से विजेता टीमों को मेडल, प्रशस्ति पत्र और 3 दिन / 2 रात का पर्यटन भ्रमण कूपन, तथा उपविजेता टीमों को 2 दिन / 1 रात का भ्रमण कूपन व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जेफार्म सर्विस ऐप बना कृषकों के लिए वरदान डिंडौरी में आयोजित हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों के ज़रिए कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्देश्य से "जेफार्म सर्विस ऐप" किसानों के लिए एक उपयोगी प्लेटफॉर्म के रूप में सामने आया है। किसानों को कृषि उपकरण एवं यंत्र किराये पर उपलब्ध कराने हेतु इस ऐप का प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र, डिंडोरी में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिले के समस्त यंत्र डीलर, निजी कस्टम हायरिंग सेंटर संचालक, कृषि उत्पादक संगठन (FPO) और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर नरवाई/परली प्रबंधन में हैप्पी सीडर यंत्र के उपयोग और जेफार्म ऐप पर अधिक से अधिक किसानों को पंजीकृत करने की दिशा में विस्तृत जानकारी दी गई।

जेफार्म सर्विस ऐप (JFarm Services App) किसानों को उनके क्षेत्र में उपलब्ध कृषि यंत्रों जैसे – ट्रैक्टर, ट्रॉली, रोटावेटर, बुवाई मशीन, स्प्रेयर आदि को ऑनलाइन किराये पर बुक करने की सुविधा प्रदान करता है। ऐप पर यंत्रों की उपलब्धता, दूरी, दर एवं यंत्र प्रदाता का संपर्क क्रमांक आदि की जानकारी उपलब्ध रहती है। यह ऐप Google Play Store पर उपलब्ध है और पंजीयन की प्रक्रिया सरल है।

प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि कैसे यह ऐप किसानों की खेती को समय पर, सुलभ और कम लागत में संभव बना सकता है। साथ ही, परली प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए ई-कृषि यंत्र पोर्टल के माध्यम से हैप्पी सीडर हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम के माध्यम से कस्टम हायरिंग सेंटर्स एवं कृषि उत्पादक संगठनों को प्रेरित किया गया कि वे हैप्पी सीडर जैसे आधुनिक यंत्रों का अधिक से अधिक उपयोग कर किसानों को लाभान्वित करें। यह डिजिटल प्रयास निश्चित रूप से डिंडौरी जिले के किसानों को सशक्त बनाने में एक प्रभावी कदम साबित होगा।

रेफर केंद्र में तब्दील हुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

धरती के भगवान बिना भगवान भरोसे अस्पताल

हरिभूमि न्यूज कोतमा। वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा की स्थिति बदल हो चुकी है आलम यह है कि उधार के भरोसे अस्पताल को संचालित किया जा रहा है अस्पताल की व्यवस्था की देखे रेख भगवान बस भरोसे चल रही है। वर्तमान में स्थितियां है कि बारिश का मौसम होने के कारण प्रतिदिन अस्पताल में दो सैकड़ा से अधिक अधिक विभिन्न बीमारियों से पीड़ति इलाज कराने पहुंच रहे हैं

लेकिन पर्याप्त चिकित्सकों के नहीं होने के कारण लोग परेशान होते हुए दूसरी जगह या जोल झोलाछाप प्रैक्टिसनरों के पास मजबूरी बस इलाज कराने को विवश हो रहे हैं। कोतमा में नियमित रूप से डॉक्टरों की पदस्थापना नहीं होने के कारण स्थिति यह हो गई है कि कोतमा अस्पताल रेफर केंद्र बंद कर रह गया है। नागरिकों एवं पूर्व पार्षद के द्वारा हाई कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर की गई थी और उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी आज तक अस्पताल में डॉक्टरों की प्रतिस्थापन नहीं की गई। कुछ दिनों पूर्व वाहवाही लूटने के लिए सोशल मीडिया में यह खबर आई की अनूपपुर जिले को बांड में 24 डॉक्टर मिले हैं, लेकिन आज तक यह पता नहीं चल पाया कि वह डॉक्टर अनूपपुर जिले में आए या नहीं इसे कोई बताने वाला नहीं है।

जुआंरी चार, जप्ती 8 लाख की, स्विफ्ट कार सहित भारी मात्रा में नगदी बरामद

दूसरे जिले से आकर खेल रहे थे जुआं, कोतमा पुलिस ने की जुएं की बड़ी रेड कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज, अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे जिले भर में जुआ-सट्टा संचालन पर अंकुश लगाने हेतु सट्टा-जुआ खेलने एवं संचालित करने वालों के विरूध्द अभियान चलाकर ताबड तोड कार्यवाहिया की जा रही हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी तथा एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में 01 अगस्त को थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक रत्नाम्बर शुक्ला को मुखबिर से सूचना प्राप्त

हुई कि कोतमा फिल्टर प्लांट शासकीय कालेज ग्राउन्ड के पास झाड़ियों के तरफ कुछ व्यक्ति एक चार पहिया वाहन में जुंआ खेल रहे है। मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु थाना प्रभारी कोतमा द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित कर मुखबिर के बतायें हुए स्थान पर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की गई तो एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार क्रमांक सीजी 10 एस 9900 के अन्दर बैठकर चार व्यक्ति जुआ खेल रहे थे जिनसें पूछतांछ पर अपना नाम अवधेश कुमार चौधरी पिता स्व. बेचू चौधरी निवासी अमराडंडी बाजार के पास बुढ़ार जिला शहड़ोल, अभिषेक प्रताप सिंह पिता विजय शंकर सिंह निवासी रेल्वे कालोनी धनपुरी जिला शहड़ोल, अजय कुमार गुप्ता पिता रामचन्द्र गुप्ता निवासी पुरानी बस्ती अमराडंडी बुढार जिला शहड़ोल तथा हुसैन अब्बास पिता स्व. अजहर अब्बास निवासी अमलाई थाना चचाई जिला अनूपपुर का होना बतायें जिनके पास से ताश की गड्डी, नगदी रकम 3,53,780 रूपये एवं एक सफेद रंग की मारूती सुजुकी स्विफ्ट कार कीमती 4,50,000 रूपये की कुल मशरूका 803780 रूपये का जप्त कर उपरोक्त व्यक्तियों के विरूध्द धारा 13 जुआ एक्ट की कार्यवाही कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 3 अगस्त 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

शरद राय की पैसेंजर ट्रेन प्रबंधक के पद पर हुई पदोन्नति

गोटेगांव। बीते दिवस पटेल वार्ड स्थित निवासी पूर्व पार्षद श्रीमती कृष्णा राय के सुपुत्र व भानु प्रताप राय पत्रकार के बड़े भाई शरद कुमार राय का रेलवे विभाग जबलपुर में पैसेंजर ट्रेन प्रबंधक के पद पर पदोन्नती हुई है ज्ञात होवें कि श्री शरद राय विगत 7 वर्षों से जबलपुर से इटारसी के मध्य चल रही गुड्स मालवाहक पार्सल ट्रेन प्रबंधक पद पर पदस्थ होकर अपनी सेवाएं दे रहे थे हाल ही में श्री शरद राय को रेल विभाग द्वारा पुनः जबलपुर से इटारसी मध्य सवारी गाड़ी पैसेंजर ट्रेन प्रबंधक के पद पर पदोन्नत किया गया है शरद राय द्वारा बताया कि सिंहस्थ महाकुंभ प्रयागराज के समय विभाग द्वारा मुझे सेवा करने का अवसर प्रदान किया गया था जिसमें मैने एक माह तक तक निरंतर सेवाएं दी थी और आज जो विभाग द्वारा जो जिम्मेदारी दी है उसे भी ईमानदारी और निष्ठा पूर्वक निर्वहन करूंगा श्री शरद के पदोन्नत पर होने पर उनके शुभचिंतकों परिवारजनों मित्र मंडलियों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है !

तुलाई ना होने को लेकर भड़क उठे किसान

एन एच 45 पर लगा दिया जाम

तेंदूखेड़ा। इन दिनों समर्थन मूल्य के तहत मूंग तुलाई को लेकर किसान मूंग की उपज लेकर बरसात की बाढ़ के बीच संबंधित वेयरहाउसों में पिछले एक पखवाड़े से खड़े हुए हैं। शनिवार को ग्राम रम्पुरा के समीप अमलतास वेयर हाउस में तुलाई ना होने के कारण किसान भड़क उठे और एन एच 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर ट्रेक्टर ट्राली लेकर खड़े हो गए। मुख्य सड़क मार्ग बंद होने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के साथ राजस्व विभाग से कुछ अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा की। किसानों का कहना था कि हम लोगों की स्लाइड बुक हो चुकी है और आप वेयर हाउस प्रशासन का हवाला देकर तुलाई नहीं कर रहें हैं। चूंकि तारीख निकलने के बाद यदि तुलाई नहीं होगी तो हम लोग क्या करेंगे वैसे भी किसान उपज तुलाई को लेकर बहुत ही परेशान बना हुआ है।एक तो लगातार बारिश और मुख्य सड़क मार्गों पर अंधेरे में दिन रात पड़ा हुआ है। ऊपर से तुगलगी आदेशों से अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहा है। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत कराया।इस विषय को गंभीरता से लिया और तत्काल तुलाई शुरू करने के लिए आदेशित किया तब किसान मानें। गौरतलब रहे कि इस बार किसानों को फसल उगाने से लेकर बेचने और तुलाई कराने तक भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।

बिजली विभाग से सेवानिवृत्त हुए सुरेन्द्र सोनी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कार्यालय सहायक अभियंता म. प्र.विधुत विभाग स्टेशन गंज में लिपिक पद पर कार्यरत सुरेंद्र कुमार सोनी 39 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत हो गए। विदाई समारोह में विभाग के कार्यपालन अभियंता दीपक प्रियंक , कनिष्ठ अभियंता सागर गुप्ता एवं कर्मचारियों के साथ स्वर्णकार समाज के बंधुओं ने श्री सोनी को शुभकामनाएं देकर उनकी कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। कार्यक्रम मौजूद लोगों ने कहा कि सुरेन्द्र कुमार सोनी अपनी 39 वर्ष की सेवाएं देकर सेवानिवृत्त हुए वो सरल स्वभाव मिलनसार व्यक्ति हैं किसी भी उपभोक्ता की कोई भी समस्या हो वो सोनी जी के पास जाया करते थे । निर्विवाद सेवा देकर सेवानिवृत्त हुए इसके पश्चात यामाहा शोरूम के संचालक दीपक सोनी एवं संदीप सोनी के द्वारा शो रूम में सम्मान समारोह का आयोजन रखा ।

स्कूल से पिकनिक मनाने पहुंचे थे तीनों छात्र, रेस्क्यू के बाद देर रात तीनों के शव बरामद

हाथी नाला वाटर फॉल में डूबने से तीन छात्रों की मौत

हरिभूमि न्यूज नरसिंहपुर। विगत दिवस जिले के तीन छात्र घर से स्कूल के लिए निकले लेकिन जब तीनों छात्र घर नहीं लोटे तो घर वालों ने उनकी तलाश शुरु कर दी, तलाश करते समय जानकारी हुई कि वह पिकनिक मनाने बिल्धा स्थित हाथी नाला वॉटर फॉल गये है जहां परिजनों को हाथी नाला के पास उनकी बाइक और कपड़े मिले। पुलिस को इसकी सूचना दी गई, पुलिस ने पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जिसमें देर रात्रि को तीनों विद्यार्थियों के शव बरामद कर लिये गये है।घटना की खबर लगते ही मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण और परिजन जुट गए। पूरे शहर में इस हृदय विदारक हादसे से शोक की लहर फैल गई है।

चलाया गया सर्च अभियान

बताया जा रहा है कि तीनों छात्र शुक्रवार दोपहर स्कूल के बाद पिकनिक के उद्देश्य से हाथी नाला वाटरफॉल की ओर निकले थे। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया। जब वे हाथीनाला पहुंचे तो वहां युवकों की बाइक, कपड़े और अन्य सामान मिला। इसके बाद प्रशासन और रेस्क्यू टीम को सूचना दी गई। सर्च अभियान चलाया गया और रात होते-होते तीनों के शव पानी से बरामद कर लिए गए।

स्कूली छात्र थे सभी बच्चे

प्राप्त जानकारी के अनुसार चावरा विद्यापीठ में कक्षा 12 वीं का छात्र तनमय पिता तरूण शर्मा पटवारी निवासी संस्कार सिटी नरसिंहपुर, अश्विनी पिता भगवत जाट निवासी धुबघट एवं अक्षत पिता अखिलेश सोनी निवासी गोकुल नगर जो कि उत्कृष्ट विद्यालय में अध्ययनरत थे यह तीन छात्र आपस में दोस्त थे और स्कूल के बाद पिकनिक मनाने के उद्देश्य से हाथी नाला वॉटर फॉल गये हुए थे जहां नहाते समय उनकी डूबने से मौत हो गयी।

परिवार का रो-रोकर हुआ बुरा हाल

जैसे ही तीनों बच्चों के शव मिलने की खबर परिजनों को मिली वैसे ही वे सदमें में आ गए और रो-रोकर उनका बुरा हाल हो गया। उन्हें यकीन ही नही हो रहा था कि उनके बच्चे अब इस दुनिया में नही रहे। वहीं इस घटना के बाद से पूरे नगर में शोक की लहर डूब गई। लोगों का कहना है कि हाथी नाला का यह स्पाट पिकनिक क्षेत्र है यहां रोजाना ही लोग पिकनिक मनाने आते हैं। परंतु सुरक्षा की दृष्टि से यहां कोई व्यवस्था नही है। जिससे कभी भी हादसा हो जाता है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से ऐसे पिकनिक स्थानों पर नजर रखने साथ ही सुरक्षा को लेकर उचित व्यवस्थाएं किए जाने की मांग की है ताकि भविष्य में किसी प्रकार का कोई हादसा न हो सके।

तीनों बच्चों के शव परिजनों को सौंपे

पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेते हुए जिला चिकित्सालय पीएम हेतु भिजवाया है। जहां शनिवार की सुबह तीनों के शव परीक्षण उपरांत परिजनों को शव सौंप दिए गए। उसके बाद परिजनों समेत अन्य लोगों ने उनके अंतिम संस्कार में शामिल को दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं ईश्वर से इस दुख की घड़ी में परिजनों को सहन शक्ति देने प्रार्थना की।

रक्षाबंधन पर्व पर केन्द्रीय जेल में बंदियों की बहनों को दी जाएगी विशेष मुलाकात

हरिभूमि न्यूज नरसिंहपुर। केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में निरूद्ध दंडित बंदियों हवालातियों के परिजनों, जनबंधुओं, बंदियों की बहनों और महिला बंदियों के भाईयों को आगामी शनिवार 9 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन के पर्व पर रक्षासूत्र बांधने के लिए विशेष मुलाकात दी जाएगी। उन्हें रक्षाबंधन के पर्व पर प्रातः 8.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशेष मुलाकात कर सकते हैं। भाई व बहन के इस पवित्र रिश्तों को रेखांकित करने वाला रक्षाबंधन पर्व परम्परागत तरीके से मनाया जाएगा। जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर ने मुलाकात के लिए के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। विशेष मुलाकात के लिए बंदी भाईयों से मिलने वाली बहनें एवं बंदी बहनों से मिलने वाले भाईयों तथा उनके साथ आने वाले 6 वर्ष तक के बच्चों को ही विशेष मुलाकात में प्रवेश दिया जाएगा। बंदी भाईयों से मिलने के लिए बहनें एवं बंदी बहनों से मिलने वाले भाईयों को मुलाकात की समय अवधि अधिकतम 10 मिनट रहेगी। इसे अतिसंकूलता को दृष्टिगत रखते हुए समय परिवर्तित किया जा सकता है। मुलाकात करने के लिए आने वाले भाईयों व बहनों को अपने साथ स्वयं का आधार कार्ड या अन्य पहचान पत्र की छायाप्रति लाना अनिवार्य है। पहचान पत्र न होने की स्थिति में मुलाकात नहीं दी जाएगी। मुलाकात के लिए आने वाली बहनें एवं भाईयों को रक्षाबंधन में उपयोगी सामग्री जैसे रक्षासूत्र, कुमकुम, नारियल, रूमाल व मिष्ठान जेल केंटीन पर निर्धारित शुल्क पर उपलब्ध रहेगी। इन सामग्रियों को आवश्यकतानुसार क्रय कर सकेंगे। बाहरी सामग्री को जेल गेट के भीतर नहीं लिया जाएगा। जेल अधीक्षक ने बताया कि बंदी भाईयों/ महिला बंदियों से मिलने के लिए आने वाले भाईयों एवं बहनों को अपने साथ इलेक्ट्रॉनिक यंत्र जैसे मोबाइल, घड़ी, हैडफोन, पर्स और नशा से संबंधित अवैध सामग्री लेकर जेल गेट में प्रवेश नहीं करेंगे। प्रतिबंधित सामग्री पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

लोकल यूथ पटवारी सर्वेयर के मानदेय भुगतान किये जाने व अन्य मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस तहसीलदार,नरसिंहपुर के नाम ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन में बताया गया कि राजस्व विभाग द्वारा तहसील नरसिंहपुर जिला नरसिंहपुर म0प्र0 में लोकल यूथ की नियुक्ति फसल गिरदावरी डिजीटल काप सर्वेक्षण कार्य हेतु प्रत्येक पटवारी हल्का ग्राम में माह जुलाई 2024 में ऑनलाईन पोर्टल द्वारा हुई थी जिसको सभी लोकल यूथ ने शासन प्रदाय कार्य को विकट परिस्थितियों के बावजूद पूरी ईमानदारी के साथ तय समय सीमा में पूर्ण किया और वर्तमान में शासन द्वारा प्रदाय फार्मर आईडी कार्य बनाने में पूरी ईमानदारी से संलग्न हैं उक्त कार्यों को सम्पूर्ण रूप से करने के बावजूद आज दिनांक तक रबी एवं खरीफ 2024-25. जायद 2025-26 की फसलों का डिजीटल कांप सर्वेक्षण कार्य का भुगतान लोकल यूथ को आज दिनांक तक अपर्याप्त है। सभी लोकल यूथ प्रत्यक्ष रूप से शासकीय अमले के साथ कार्य करते हुए सेवायें प्रदान कर रहे है। ज्ञापन के माध्यम से प्रमुख मांगो पूर्ण में तहसील अंतर्गत कार्यरत सभी लोकल यूथ सर्वेयर को आई.डी कार्ड प्रदान की जाये व तहसील अंतर्गत कार्यरत सभी लोकल यूथ सर्वेयर की रबी एवं खरीफ वर्ष 2024-25 का भुगतान जल्द से सत्यापन वेव.जी.आई.एस पोर्टल से जल्द करवाये जावे तहसील अंतर्गत कार्यरत सभी लोकल यूथ सर्वेयर को सुरक्षा किट प्रदान की जाये, मासिक मानदेय दिया जाये, बीमा दुर्घटना दिया जाये, स्थाई का दर्जा दिया जाये। लोकल यूथ सर्वेयर द्वारा प्रशासन निर्देशानुसार सभी कार्य करने के लिए सर्वेयर को दिया जाये ऐसे में शासन प्रशासन लोकल यूथ सर्वेयर का सारा ऐप का काम अनुसार तत्काल निर्देशित किया जाये व फसल गिरदावरी के अंतर्गत किये गये कार्य की सीमा 0 से 50 मीटर की जावे, उक्त मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा गया ।

वरिष्ठ जन परिषद ने मनाई तुलसी जयंती

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अनेक पुस्तकों सहित श्रेष्ठ ग्रंथ रामचरित मानस के रचियता गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज की 528वीं जयंती वरिष्ठ जन परिषद नरसिंहपुर द्वारा मनाई गई।उपस्थित सभी वरिष्ठों ने तुलसीदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनका पूजन अर्चन किया। पंडित मदन गोपाल शर्मा और डा.महेश त्रिपाठी ने गोस्वामी जी के कृतित्व व्यक्तिव सहित उनके जन्म और बाल्यावस्था पर प्रकाश डाला।गुरुवर डी डी गोस्वामी और गणेश कुमार चतुर्वेदी ने उनके ग्रंथों पर प्रकाश डालते हुए कहा तुलसीदास जी का युग बोध साहित्य सम्पूर्ण मानवता के लिए निरंतर चेतना ऊर्जा और प्रकाश देता है। साहित्यकार कवि अशोक त्रिपाठी ने उनके साहित्य रचना पक्ष को उभारते हुए कहा की तुलसीदास जी हिन्दी साहित्य के अद्भुत अनुपम अद्वितीय और श्रेष्ठ कवि हैं।गोस्वामी जी हिंदी साहित्य के दिवाकर हैं कुछ इस तरह से...ष्सूरज तुलसीदास हैं और चन्द्र रसखान, तारागण हैं अन्य कवि जगमग करें जहानष्कथावाचक रामायणी पं जगदीश दुबे ने कहा कि तुलसी दास जी ने अभावों में जीकर जनमानस को भाव दिये। रामचरित मानस घर घर में पढ़ा जाने वाला पूजनीय विश्व ग्रन्थ है। उद्बोधन के इस क्रम में डा केदार गुप्ता बी एस पटेल विजय शर्मा देवेन्द्र दुबे धनपत तिवारी व अन्य वक्ताओं ने भीअपनेविचार व्यक्त किये।उक्त अवसर पर संकीर्तन प्रेमी पं.सी पी मिश्रा धर्मानुरागी राजेश सोनी भोपत सिंह साहू और पंडित का पुष्पमाला शाल श्रीफल स्वागत सम्मान और अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

उप पंजीयक कार्यालय खाली करने तहसीलदार ने थमाया नोटिस

बनायेंगे बीसी एवं रिकार्ड रुम

तेंदूखेड़ा। जब से तहसील कार्यालय का लोकार्पण हुआ था उसके कुछ समय बाद से तेंदूखेड़ा क्षेत्र में किसानों की जमीनों की लिखा पड़ी से लेकर अन्य व्यवस्थाओं को लेकर यहां उपपंजीयक कार्यालय तहसील कार्यालय के एक कक्ष में शुरुआत की गई है जो अभी भी चल रहा है। रिकार्ड को लेकर संकीर्णता की स्थिति में एक कक्ष वर्ष 2018 में तत्कालीन आयुक्त महोदय के दौरे के समय उपपंजीयक कार्यालय के लिए उपलब्ध करा दिया गया था। लेकिन कुछ ही समय पूर्व में आये तहसीलदार महोदय ने इस उपपंजीयक कार्यालय को खाली करने के लिए बीसी एवं रिकार्ड रुम बनाये जाने का हवाला देते हुए खाली करने का नोटिस दिया है।जिसे लेकर उपपंजीयक महोदय अब अपने लिए अलग से भवन की तलाश में जुटे हुए हैं। और वरिष्ठ अधिकारियों से परामर्श भवन उपलब्ध के लिए पत्राचार भी कर रहे हैं। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार फिल हाल इस उपपंजीयक कार्यालय को पुराने आई टी आई में ले जाने के लिए कहा गया है लेकिन यह भवन भी पूर्व से जर्जर है और पानी का रिसाव हो रहा है जहां किसानों की रजिस्ट्री से लेकर सर्च संबंधी रिकार्ड रखा जाता है। और सुरक्षा के साथ अनेक विसंगतियां भी हैं। किसानों को आने जाने में भी परेशानी होना स्वाभाविक है।

पूरे तहसील कार्यालय में रिसाव

गौरतलब रहे कि तहसील कार्यालय भवन की गुणवत्ता को लेकर शुरू से ही सवाल उठते रहे हैं। और कई बार जीर्णोद्धार भी हो चुका है। फिर भी बरसात के दिनों में पानी के रिसाव के चलते कम्प्यूटर से लेकर अन्य रिकार्डों को पनी डालकर सुरक्षित करना पड़ता है। चूंकि भवन काफी जर्जर होने के साथ नये भवन की जरूरत है।

किसानों को बैठने नहीं है जगह

आये दिन समाचार पत्रों के माध्यम से भी यह विषय उठाये जाते रहें हैं। तेंदूखेड़ा तहसील कार्यालय में जहां किसानों को बैठने तक के लिए उचित व्यवस्था नहीं है यहां वहां वृक्षों की छाया में बैठकर राजस्व से संबंधित काम करवाते देखे जाते हैं ना तो इनके लिए वरसात के दिनों बरसात से बचने और गर्मी के समय में धूप से बचने उचित जगह तक नहीं मिल पाती यहां तक की भीषण गर्मी में भी पानी को लेकर किसान यहां वहां भटकते हुए देखे जाते हैं। किसानों की समस्यायों को देखते हुए तत्कालीन विधायक संजय शर्मा द्वारा एक शेड निर्माण करवाया गया था लेकिन अब इसमें लोकसेवा गारंटी केन्द्र का संचालन हो रहा है।

इनका कहना है

उपपंजीयक कार्यालय को खाली करने के लिए तहसील कार्यालय से नोटिस मिला है 15 दिनों में कक्षों को खाली करना है। पुराने आई टी आई भवन में कार्यालय ले जाने हवाला दिया जा रहा है लेकिन वहां की स्थिति भी काफी गंभीर बनीं हुई है।

आर एल तिवारी
उपपंजीयक तेंदूखेड़ा

यह हमारा इंटरनल विषय है पूरे तहसील कार्यालय भवन में पानी का रिसाव हो रहा है। तहसील कार्यालय के रिकार्ड को सुरक्षित नहीं रख पा रहे हैं। वीसी एवं रिकार्ड रुम बनाए जाने के लिए हमें स्वयं जगह की आवश्यकता है। हमारे भवन में दूसरे विभाग को कक्ष देना कहां तक उचित है। शीघ्र ही भवन का कायाकल्प किया जायेगा।

निर्मल पटले
तहसीलदार तेंदूखेड़ा

पूर्व विधायक संजय शर्मा की सोमवार को कांवर यात्रा

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र की खुशहाली सुख समृद्धि को लेकर पूर्व विधायक संजय शर्मा विगत कई वर्षों से पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट ककरा घाट से पैदल कांवर यात्रा डमरु घाटी स्थित शिवधाम तक निकाला करते हैं।इस वर्ष भी यह विशाल कांवर यात्रा सोमवार को सुबह आठ बजे से पूजन अर्चन के उपरांत यात्रा निकाली जायेगी। तथा शिव धाम डमरु घाटी पहुंच कर शिवाभिषेक किया जायेगा।इस यात्रा को लेकर काफी उत्साह का वातावरण देखा जा रहा है। संपूर्ण क्षेत्र से बढ़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुआ करते हैं।

भव्य, बाबा बर्फानी व महाकाल की शाही पालकी यात्रा

भोले बाबा के जय घोष से गूंज उठा नगर

गोटेगांव। बीते दिवस श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रीधाम क्षेत्र की पावन धरा पर पीले के पास स्थित मुस्कान ट्रेडर्स से प्रारंभ होकर धूमधाम हर्षोल्लास डीजे बाजे गाजे आतिशबाजी के साथ बाबा बर्फानी की भव्य झांकी एवं बाबा महाकाल की शाही पालकी सवारी यात्रा निकाली गई जिससे पूरा नगर में गूंज उठा जय बाबा गोष से वातावरण भक्तिमई हो गया, भव्य शोभा यात्रा में बाबा बर्फानी की एवं बाबा महाकाल की शाही पालकी और बर्फ से बनी बाबा अमरनाथ की शिवलिंग एवं माता महाकाली व नंदी पर सवार शंकर पार्वतीजी की भव्य आकर्षक मनमोहक झांकियां एवं यात्रा में जय श्री महाकाल ग्रुप एवं पागल अधोरी टीम जबलपुर के कलाकारों द्वारा अनुपम झांकियां प्रस्तुत की गई। साथ ही सागर की विख्यात डमरू ग्रुप आर.टी.धमालपार्टी व राजधानी भोपाल के कलाकारों द्वारा शोभायात्रा के आगे-आगे रागोली की विशेष प्रस्तुति प्रदान की। भव्य एवं दिव्य आयोजन के अवसर पर स्थानीय भगतराम चौराहा पर बैदिक ब्राम्हणों एवं वरिष्ठ समाजसेवी इंजीनियर सरदारसिंह पटेल द्वारा बर्फ से बनी शिवलिंग व बाबा अमरनाथ एवं बाबा महाकाल की महाआरती कर महाप्रसाद का वितरण किया गया, भव्य शोभा यात्रा में समस्त सनातनी धर्म प्रेमी माताएं बहने सहित श्रद्धालु बंधुओ ने बड़ी संख्या में सपरिवार शामिल होकर पुण्य लाभ लिया ! वहीं आयोजन समिति सदस्य सचिन मोनू बरडिया जितेंद्र राय मटर वाले एवं उनके अन्य साथियों द्वारा यह भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया !

सेवानिवृत होने पर अर्जुन सिंह को दी भावभीनी विदाई

गोटेगांव। विगत दिवस स्थानीय जल संसाधन विभाग उपसंभाग में पदस्थ अर्जुनसिंह पटेल द्वारा विभाग में 35 वर्षों तक लगातार विभागीय कार्यो के प्रति पूर्ण लगन निष्ठा पूर्वक कार्य करते हुए 62 वर्ष की आयु प्राप्तकर अपनी सेवा से निवृत होने पर विभाग द्वारा स्वागत सम्मान समारोह आयोजित किया गया, सम्मान समारोह में कार्यपालन यंत्री बी. के उईके नरसिंहपुर अनुविभागीय अधिकारी बी. डी मुड़िया कार्यपालन यंत्री अनुविभागीय अधिकारी ने अर्जुनसिंह पटेल को रोरी तिलक लगाकर फूलमाला पहना कर शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किए जाने के उपरांत स्टाफ कर्मचारी उपयंत्री आरआर खान पडीएम डी. के. कोस्टा पूर्व अमीन ओ.पी. पटेल छुड़ामणि राजपूत योगेश पटेल राकेश तिवारी रामजी यादव ओकारपटेल सुधीर वकुर कैलाशरैकवार गोस्वामी पटेल यासीनखान चेतराम वाकुर सहित समस्त कर्मचारियों ने रोरी तिलक लगाकर फूलमाला पहना कर स्मृतिचिन्ह भेंटकर स्वागत सम्मान कर उनके स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना कर गाजे बाजे के साथ भावभीनी दी। कर्मचारियों के हित के लिए तत्पर कार्य करने के उद्देश्य लघुवेतन कर्मचारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष एवं सामाजिक व धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि होने के कारण श्री सत्यसाई सेवा संगठन में सेवादल प्रभारी हैं।

भव्य, बाबा बर्फानी व महाकाल की शाही पालकी यात्रा

भोले बाबा के जय घोष से गूंज उठा नगर

गोटेगांव। बीते दिवस श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रीधाम क्षेत्र की पावन धरा पर पीले के पास स्थित मुस्कान ट्रेडर्स से प्रारंभ होकर धूमधाम हर्षोल्लास डीजे बाजे गाजे आतिशबाजी के साथ बाबा बर्फानी की भव्य झांकी एवं बाबा महाकाल की शाही पालकी सवारी यात्रा निकाली गई जिससे पूरा नगर में गूंज उठा जय बाबा गोष से वातावरण भक्तिमई हो गया, भव्य शोभा यात्रा में बाबा बर्फानी की एवं बाबा महाकाल की शाही पालकी और बर्फ से बनी बाबा अमरनाथ की शिवलिंग एवं माता महाकाली व नंदी पर सवार शंकर पार्वतीजी की भव्य आकर्षक मनमोहक झांकियां एवं यात्रा में जय श्री महाकाल ग्रुप एवं पागल अधोरी टीम जबलपुर के कलाकारों द्वारा अनुपम झांकियां प्रस्तुत की गई। साथ ही सागर की विख्यात डमरू ग्रुप आर.टी.धमालपार्टी व राजधानी भोपाल के कलाकारों द्वारा शोभायात्रा के आगे-आगे रागोली की विशेष प्रस्तुति प्रदान की। भव्य एवं दिव्य आयोजन के अवसर पर स्थानीय भगतराम चौराहा पर बैदिक ब्राम्हणों एवं वरिष्ठ समाजसेवी इंजीनियर सरदारसिंह पटेल द्वारा बर्फ से बनी शिवलिंग व बाबा अमरनाथ एवं बाबा महाकाल की महाआरती कर महाप्रसाद का वितरण किया गया, भव्य शोभा यात्रा में समस्त सनातनी धर्म प्रेमी माताएं बहने सहित श्रद्धालु बंधुओ ने बड़ी संख्या में सपरिवार शामिल होकर पुण्य लाभ लिया ! वहीं आयोजन समिति सदस्य सचिन मोनू बरडिया जितेंद्र राय मटर वाले एवं उनके अन्य साथियों द्वारा यह भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया !